पाठ 1

देश की माटी

देश की माटी देश का जल,
हवा देश की देश के फल,
सरस बनें प्रभु सरस बनें।

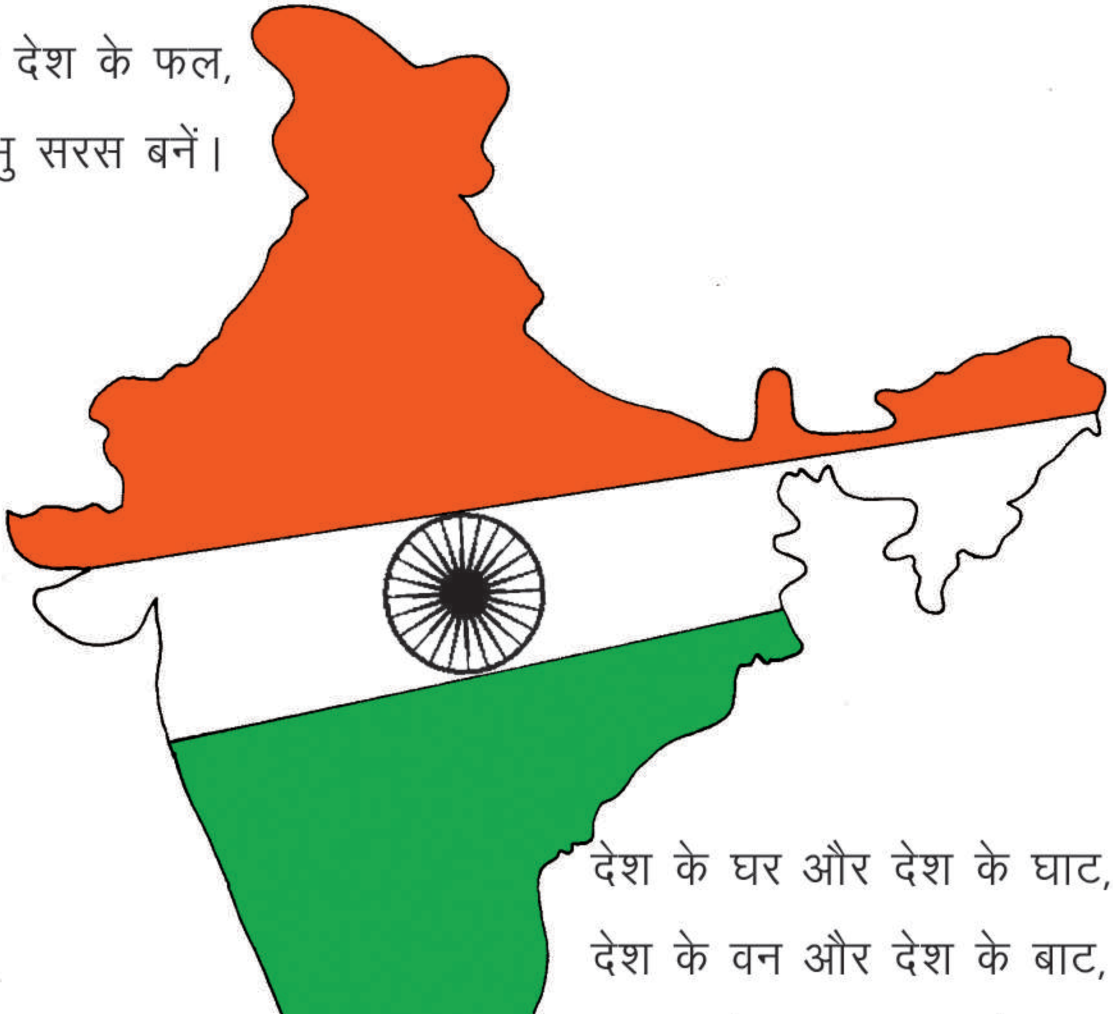

देश के घर और देश के घाट,
देश के वन और देश के बाट,
सरल बनें प्रभु सरल बनें।

देश के तन और देश के मन,
देश के घर के भाई–बहन,
विमल बनें प्रभु विमल बनें।

– गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें –

- तन – शरीर
- बाट – रास्ता
- माटी – मिट्टी
- विमल – साफ/स्वच्छ
- सरस – रस भरा

2. कविता से –

(क) कविता के प्रत्येक पद में कवि ने देश के लिए अलग–अलग कामना की है। कविता को पढ़कर लिखें कि निम्नलिखित कामना किसके लिए की गई है।

- सरस बनें ____________________
  ____
  ____
- सरल बनें ____________________
  ____
  ____
- विमल बनें ____________________
  ____
  ____
  ____

(ख) कविता के रचनाकार का नाम लिखें।

____

3. आपकी बात –

(क) इस कविता को आप क्या नाम देना चाहेंगे?

(ख) यदि आपको प्रभु से कोई तीन चीज़ें माँगने को कहा जाए तो आप कौन सी तीन चीज़ें माँगेंगे?

(ग) विद्यालय के लिए काम करना भी देश के लिए काम करना ही है। आप अपने विद्यालय के लिए क्या–क्या काम करते हैं ?

4. सुनें और बोलें –

- आशा
- विशेष
- सुषमा
- देश
- अभिलाषा
- शाबाश

5. भाषा की बात –

(क) नीचे कुछ शब्द लिखें हैं जो उलट–पलट हो गए हैं। इन्हें ठीक करके लिखें –

● र ल स	सरल	र स र	सरस
● ग स ज	----------	ल फ स	----------
● फ र स	----------	ब स ल	----------
● म झ स	----------	म क ल	----------

(ख) घाट और बाट में तुकबंदी है। नीचे लिखे शब्दों की तुकबंदी करते हुए दो–दो शब्द लिखें –

घाट	--------------	--------------
तन	--------------	--------------
देश	--------------	--------------
जल	--------------	--------------

(ग) 'देश के घर के भाई–बहन' पंक्ति में भाई–बहन शब्दों के बीच (–) चिह्न है जो योजक चिह्न कहलाता है। इस (–) चिह्न का प्रयोग करते हुए अन्य शब्द लिखें –

_________________ _________________

_________________ _________________

_________________ _________________

_________________ _________________

(घ) 'ठंडा जल' दो शब्द हैं। इसमें ठंडा जल की विशेषता बताता है। नीचे ऐसे ही कुछ शब्द दिए गए हैं जो अलग–अलग वस्तुओं की विशेषता बताते हैं। खाली स्थान में उनके नाम लिखें।

ठंडा ____जल____

हरे–भरे __________

मीठा __________

स्वच्छ __________

सुंदर __________

छोटे __________

6. कविता से आगे–

दिए गए खाली स्थानों में उचित शब्द भरें –

- मेरे देश का नाम ____________________ है।
- मेरे राज्य का नाम ____________________ है।
- मेरे जिले का नाम ____________________ है।
- मेरे गाँव/शहर का नाम ____________________ है।
- मेरे स्कूल का नाम ____________________ है।

शिक्षक के लिए – हाव–भाव के साथ पहले कविता का वाचन स्वयं करें तथा फिर बच्चों से गायन करवाएँ। प्रत्येक गतिविधि को करने के लिए उचित निर्देश देते हुए बच्चों का मार्गदर्शन करें।

7. रंग भरें –

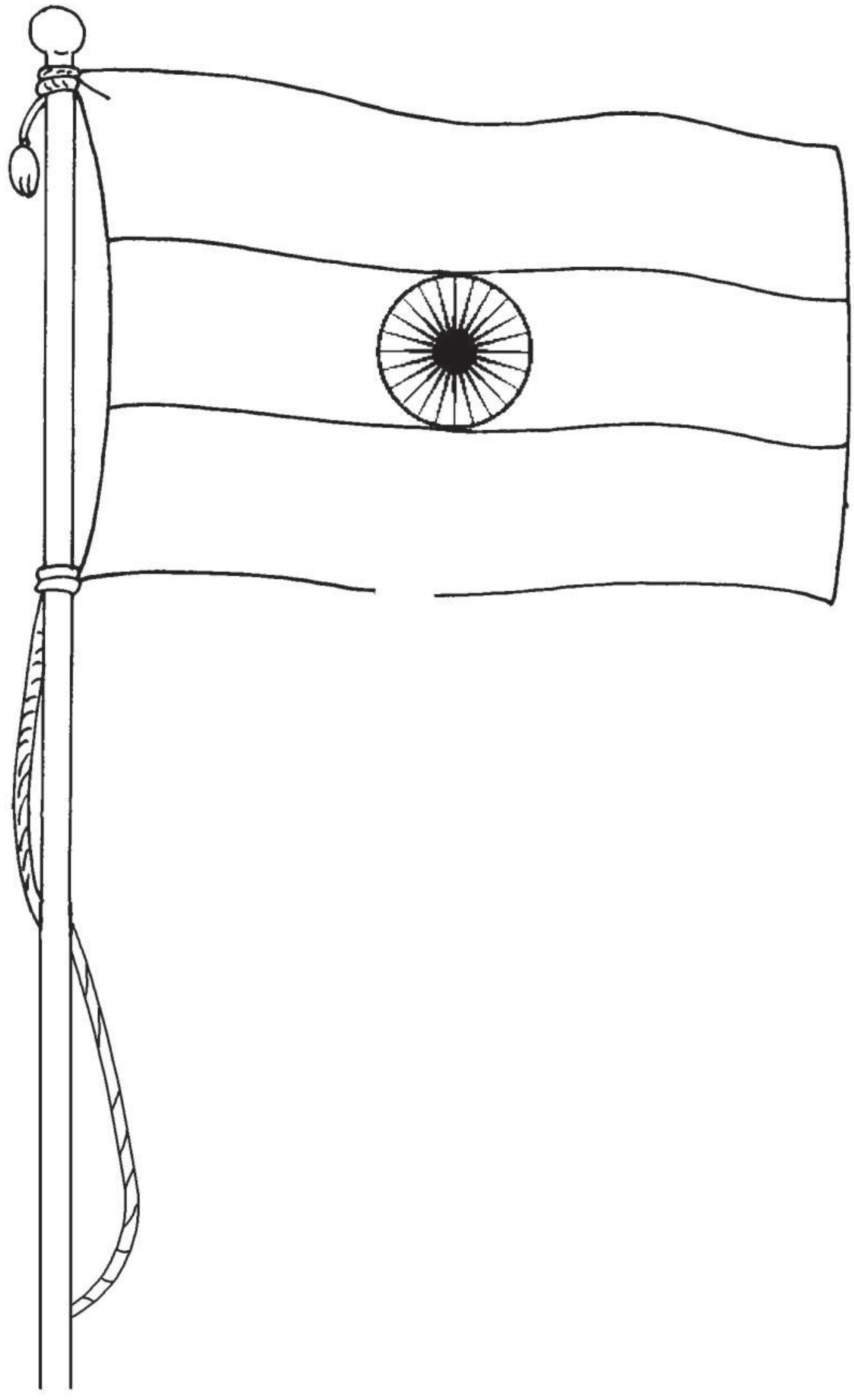

वीर तुम बढ़े चलो (कुछ और पढ़ें)

वीर, तुम बढ़े चलो,
धीर, तुम बढ़े चलो।
हाथ में ध्वजा रहे,
बाल–दल सजा रहे,
ध्वजा कभी झुके नहीं,
दल कभी रुके नहीं,
वीर, तुम बढ़े चलो।
धीर, तुम बढ़े चलो।
सामने पहाड़ हो,
सिंह की दहाड़ हो,
तुम निडर, हटो नहीं,
तुम निडर, डटो वहीं,
वीर, तुम बढ़े चलो,
धीर, तुम बढ़े चलो।
मेघ गरजते रहें,
मेघ बरसते रहें,
बिजलियाँ कड़क उठें,
बिजलियाँ तड़क उठें,
वीर, तुम बढ़े चलो,
धीर, तुम बढ़े चलो।
प्रातः हो कि रात हो,
संग हो न साथ हो,
सूर्य–से बढ़े चलो,
चंद्र–से बढ़े चलो,
वीर, तुम बढ़े चलो,
धीर, तुम बढ़े चलो।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

पाठ 2

साझे की खेती

एक चिड़िया थी। मेहनती और भोली–भाली। उसने इधर–उधर से तिनके इकट्ठे करके पेड़ पर अपना घोंसला बनाया। चिड़िया ने कपड़े की कतरनें, धागे और सुतलियाँ जमा कर घोंसले में बिछा दी। अब वह घोंसले में आराम से रात बिताती। दिन में दाना–चुग्गा खाकर इधर–उधर फुदकती। इस प्रकार वह सुखपूर्वक दिन बिताने लगी। एक दिन एक कौआ उसी पेड़ पर आ बैठा। वह बहुत ही चालाक था। उसने देखा कि चिड़िया बहुत ही भोली–भाली है– क्यों न, इससे दोस्ती कर ली जाए। वह प्रतिदिन शाम के समय पेड़ पर आ कर बैठ जाता। धीरे–धीरे उन दोनों में मित्रता हो गई।

एक दिन कौए ने चिड़िया से कहा–हम दोनों अपना पेट भरने के लिए इधर–उधर भटकते रहते हैं। क्यों न, हम मिलकर खेती करें। चिड़िया को कौए की यह बात बहुत पसंद आई। वह खेती करने के लिए झट से तैयार हो गई। दोनों ने घूम–फिरकर एक खेत चुना। गरमी बीत गई। बाजरे की बिजाई का मौसम आ गया। चिड़िया ने कौए से कहा, मेरे साथ चलो। आज हम हल चलाकर खेत तैयार करेंगे। कौआ, चिड़िया की बात सुनकर बहुत खुश हुआ और आँखें मटकाते हुए बोला –

तू चल मैं आता हूँ ,
ठंडा पानी पीता हूँ।
मक्खन रोटी खाता हूँ,
तेरे लिए भी लाता हूँ।

चिड़िया खेत में सारा दिन अकेली ही काम करती रही, लेकिन कौआ नहीं आया ।

कुछ दिन बाद चिड़िया ने कौए से कहा–मेरे साथ चल, आज खेत में बीज बोने हैं। कौए ने इस बार भी पहले वाले अंदाज़ में कहा –

तू चल मैं आता हूँ,
ठंडा पानी पीता हूँ।
मक्खन रोटी खाता हूँ,
तेरे लिए भी लाता हूँ।

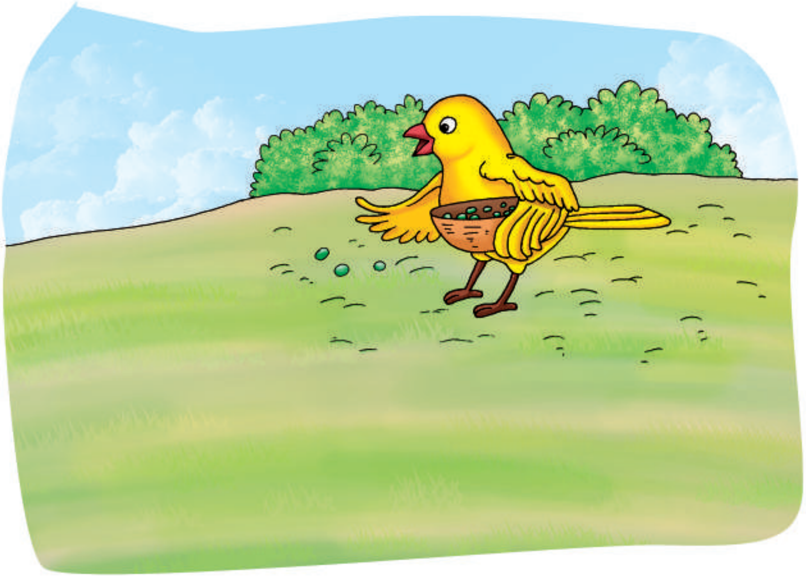

चिड़िया फिर खेत में अकेली ही पूरा दिन बीज बोती रही, लेकिन कौआ नहीं आया। उसने कौए से पूछा तो कौए ने बहाना बनाकर उसे टाल दिया। धीरे–धीरे खेत में बाजरे के सिरटे निकल आए और फसल पककर तैयार हो गई। चिड़िया ने अकेले ही लामणी और मढ़ाई की। पहले की तरह इस बार भी कौए ने बहाना बनाया। आलसी और कामचोर कौए ने कुछ

भी काम नहीं किया। जब बँटवारे की बात आई तब वह चिड़िया से पहले लंबे–लंबे डग भरता हुआ खेत में पहुँच गया। खेत में एक तरफ बबूले का ढेर था तथा दूसरी तरफ बाजरे की ढेरी। कौए ने आव देखा न ताव, झट से उड़कर बबूले के ढेर पर जा बैठा। वह आँखें मटकाता, ताली बजाता हुआ बोला–लो हो गया बँटवारा। यह ढेरी मेरी और वह तेरी।

बाजरे की फसल देखकर चिड़िया
हो गई खुश! गाने लगी चीं–चीं करके–

बाजरा कह मैं बड़ा अलबेला,
दो मुस्सल तैं लडूँ अकेला।
जै मिरी नाजो खिचड़ी खाय,
फूल–फूल कोठी हो जाय।

चिड़िया मन ही मन हैरान हुई कि पता नहीं क्यों कौए ने बाजरा छोड़कर बबूले के ढेर को चुना ? क्या तुम्हें पता है ?

चिड़िया ले गई सारा बाजरा ढो–ढोकर अपने घर। साँझ हुई तो चूल्हा फूँका और बनाई राबड़ी। खुद भी खाई, बच्चों को भी खिलाई। खाते–खाते गाने लगी–

मीठी लागै बाजरे की राबड़ी रे

दल चक्की से हांडी पे गेरी

नीचे लगा दी लाकड़ी रे

मीठी लागै बाजरे की राबड़ी रे

राँध–रूँध थाली में घाली

ऊपर आ गई पापड़ी रे

मीठी लागै बाजरे की राबड़ी रे

–हरियाणवी लोककथा

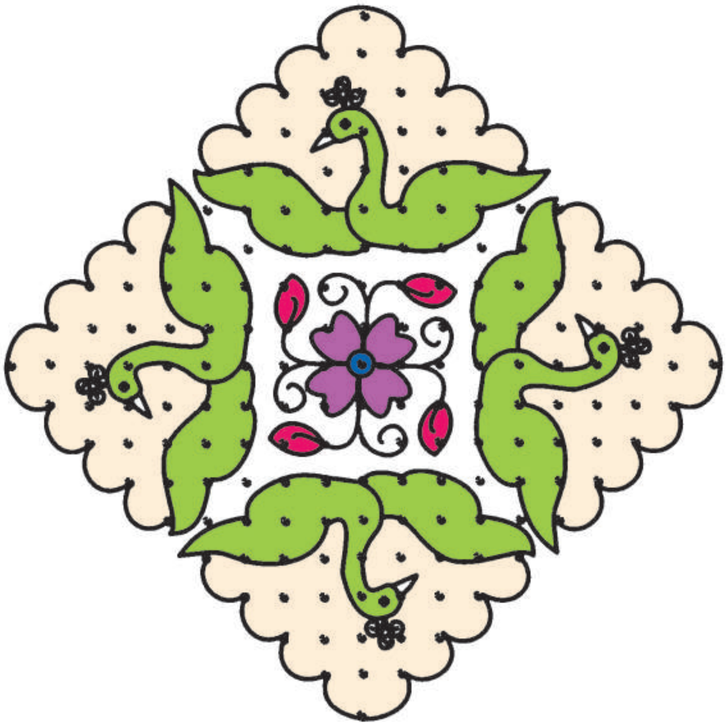

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें–

- डग भरना – कदम बढ़ाना
- बबूला – बाजरे का भूसा
- मढ़ाई – भूसे और अनाज को अलग करना
- सिरटे – बाजरे का दानेदार हिस्सा
- लामणी – फसल की कटाई

2. कहानी से –

(क) कौआ रोज उसी पेड़ पर क्यों आने लगा?

____

____

(ख) कौए ने क्या कहकर चिड़िया को खेती करने के लिए राजी किया?

____

____

(ग) चिड़िया के खेत चुनने से लेकर फसल पकने तक के कामों को क्रमानुसार लिखें –

मढ़ाई, लामणी, बिजाई, हल–चलाना।

____

____

(घ) कौआ, चिड़िया के साथ काम करने क्यों नहीं जाता था ?

____

____

3. आपकी बात –

(क) यदि कौए के स्थान पर आप चिड़िया के साथ साझे की खेती करते तो क्या–क्या करते?

(ख) कौए ने बबूले का ढेर चुना। जब उसे उसकी असलियत पता चली होगी तो क्या हुआ होगा?

(ग) अनुमान लगाकर बताइए कि कौए ने बबूले के ढेर को क्यों चुना होगा?

(घ) जब भी चिड़िया ने कौए को काम करने के लिए बुलाया, उसने कोई न कोई बहाना बना दिया। सोचकर बताएँ, उसने कौन–कौन से बहाने बनाए होंगे।

(ङ) क्या आपने कभी कोई पौधा लगाकर उसकी देखभाल की है ? यदि हाँ तो अपने पौधे के बारे में बताइए–

पौधे का नाम	________________
कब लगाया	________________
कैसे देखभाल की	________________
अब वह कितना बड़ा है	________________
उसे देखकर आपको कैसा लगता है ?	________________

4. भाषा की बात –

(क) चिड़िया ईमानदार थी।

इस वाक्य में 'ईमानदार' शब्द ईमान + दार से बना है। ऐसे ही कुछ और शब्द बनाएँ।

समझ	+	दार	–	समझदार
खबर	+	__________	–	________________
दाग़	+	__________	–	________________
पहरे	+	__________	–	________________

(ख) कौए ने **'आव देखा न ताव'** झट से उड़कर बबूले के ढेर पर जा बैठा। 'आव देखा न ताव' एक मुहावरा है जिसका अर्थ है बिना सोचे समझे। इस मुहावरे का प्रयोग करते हुए कुछ वाक्य बनाएँ –

____

____

____

____